

चरवा पुं. (देश.) 1. एक प्रकार का बढिया और मुलायम चारा 2. एक बर्तन का नाम

चरवाना स.क्रि. (देश.) चराने का काम कराना।

चरवाहा पुं. (देश.) गाय-भैंस आदि चराने वाला, वह जो पशु चराए, चौपायों का रक्षक।

चरवाही स्त्री. 1. (देश.) [सं-चर+हि.वाही] पशु चराने का काम 2. वह धन या वेतन जो पशु चराने के बदले में दिया जाता है, चराने की मजदूरी 3. इधर-उधर फिरना, आवारा की तरह घूमना।

चरवाँक वि. (देश.) [चर्-वाँक] दे. चरबाँक।

चरवैया वि. 1. (देश.) चरने वाला 2. चराने वाला।

चरस पुं. (तद्.) 1. भैंस या बैल आदि के चमड़े से बना थैला 2. चमड़े का बना हुआ बड़ा ढोल जिससे प्रायः खेत सींचने के लिए पानी निकाला जाता है विशेष. इसमें पानी बहुत अधिक आता है और उसे खींचने के लिए प्रायः एक या दो बैल लगते हैं 3. भूमि नापने का एक परिमाण जो किसी के मत से 2100 हाथ का होता है, गोचर्म पुं. (फा.) गाँजे के पौधों के डंठलों से निकला हुआ एक प्रकार का गोंद जो देखने में प्रायः मोम की तरह और हरे या कुछ पीले रंग का होता है, इसे लोग गाँजे या तंबाकू की तरह पीते हैं, नशे में यह प्रायः गाँजे के समान होता है पुं. (फा.) असम प्रांत में होने वाला पक्षी जिसे वन मोर या चीनी मोर भी कहते हैं।

चरसा पुं. (देश.) 1. बैल, भैंस, आदि का चमड़ा 2. चमड़े का बना बड़ा थैला 3. चरस, मोट, पुर 4. भूमि का एक परिमाण, गोचर्म।

चराई स्त्री. (देश.) 1. चरने का काम, चरने की क्रिया 2. चराने का काम, चराने की मजदूरी।

चराग पुं. (फा. चिराग) दे. चिराग।

चरागान पुं. (फा.) दीपोत्सव।

चरागाह पुं. (फा.) पशुओं के चरने-चराने की जगह, घास का मैदान।

चराचर वि. (तत्.) 1. चर और अचर, जड़-चेतन 2. जगत, संसार 3. कौड़ी।

चरान पुं. (देश.) 1. चरागाह 2. समुद्रतट के पास खारे पानी का दलदल जिसमें से नमक निकाला जाता है।

चराना स.क्रि. (देश.) 1. पशुओं को चारा खिलाने के लिए मैदान में ले जाना 2. किसी को धोखा देना, मूर्ख बनाना प्रयो. वह तुम्हारे जैसे लोगों को रोज चराया करता है।

चराव पुं. (तद्.) चरागाह, चरनी।

चरित पुं. (तत्.) 1. आचरण, रहन-सहन 2. काम, करतूत, कृत्य प्रयो. उसके चरित को समझना बहुत कठिन है 3. किसी के जीवन की घटनाओं का वर्णन, जीवन चरित, जीवनी वि. (तत्.) 1. गाया हुआ, गत 2. किया हुआ, आचरित 3. प्राप्त 4. जाना हुआ।

चरित नायक पुं. (तत्.) वह प्रधान पुरुष जिसके चरित्र को लेकर कोई पुस्तक लिखी जाए।

चरित-लेखक पुं. (तत्.) जीवनी लिखने वाला लेखक।

चरितार्थ वि. (तत्.) 1. जिसके उद्देश्य या अभिप्राय की सिद्धि हो चुकी हो, कृतकृत्य, कृतार्थ 2. जो पूरा उतरे प्रयो. आप वाली कहावत ठीक चरितार्थ होती है।

चरितार्थी वि. (तत्.) सफलता की इच्छा रखने वाला।

चरित्तर पुं. (तद्.) धूर्तता की चाल, नखरे, नकल प्रयो. यह सब स्त्रियों के चरित्तर हैं।

चरित्र पुं. (तत्.) 1. स्वभाव 2. कार्य, जो किया जाए 3. करनी, करतूत 4. व्यवहार, आधार।

चरित्रवान वि. (तत्.) 1. अच्छे चरित्र वाला 2. अच्छे चाल-चलन वाला, सदाचारी।

चरित्रांकन पुं. (तत्.) चरित्र का पूरा विवरण देना, व्याख्या सहित चरित्र प्रस्तुत करना।

चरित्रा स्त्री. (तत्.) इमली का पेड़।

चरी स्त्री. (देश.) संदेशा ले जाने वाली दूती 2. मजदूरनी, दासी, नौकरानी स्त्री. (तत्.) 1. पशुओं